जापान की एशिया ऊर्जा संक्रमण पहल

प्रिलिम्स के लिये:

जापान की एशिया ऊर्जा संक्रमण पहल (AETI), दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN), भारत-जापान एनर्जी डायलॉग, लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट (LiFE), ग्रीन हाइड्रोजन, धर्म गार्जियन, मालाबार, MILAN, वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)।

मेन्स के लिये:

स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण, भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति।

चर्चा में क्यों?

एशिया एनर्जी ट्रांज़िशन इनिशिएटिव (Asia Energy Transition Initiative- AETI) में भारत को शामिल कर जापान **द्वारा भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण** का समर्थन किये जाने की उम्मीद है।

- वर्ष 2021 में लॉन्च किया गया **जापान का AETI**, नवीकरणीय ऊर्जा हेतु 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता सहित शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की दिशा में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) देशों का शुरू में समर्थन करता है।

एशिया ऊर्जा संक्रमण पहल (AETI):

- जापान सरकार ने "एशिया एनर्जी ट्रांज़िशन इनिशिएटिव (AETI)" की घोषणा की है, जिसमें एशिया में ऊर्जा परिवर्तन को साकार करने के लिये विभिन्न प्रकार के समर्थन शामिल हैं।
  - ऊर्जा संक्रमण हेतु रोडमैप तैयार करने में सहायता।
  - संक्रमण के एशियाई संस्करण का वित्तीयन।
  - 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता।
    - नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, LNG आदि के लिये।
  - एशियाई देशों में 1,000 लोगों के लिये डीकार्बोनाइज़ेशन तकनीकों में क्षमता निर्माण।
    - अपतटीय पवन ऊर्जा उत्पादन, ईंधन-अमोनिया, हाइड्रोजन आदि के लिये।
  - डीकार्बोनाइज़ेशन प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण और एशिया CCUS नेटवर्क के माध्यम से ज्ञान साझाकरण।
    - ऊर्जा संक्रमण पर कार्यशालाएँ और सेमिनार।
    - प्रौद्योगिकी विकास एवं परिनियोजन, 2 ट्रिलियन येन फंड की उपलब्धता का उपयोग।

भारत-जापान स्वच्छ ऊर्जा सहयोग की प्रमुख विशेषताएँ:

- **भारत और जापान के बीच स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी मार्च 2022 में शुरू हुई थी।**
  - यह भारत-जापान ऊर्जा संवाद 2007 में शामिल एजेंडे पर काम करेगा और बाद में पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों में विस्तार करेगा।
- **भारत और जापान** ने क्रमशः G20 और G7 की अध्यक्षता संभाली है।
  - **पर्यावरणीय स्थिरता के संदर्भ में** पर्यावरण के लिये जीवन शैली (LiFE) भारत द्वारा **G20 की अध्यक्षता में** सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।
  - साथ ही जापान सरकार द्वारा **फीड-इन प्रीमियम (FiP)** योजना को **अप्रैल 2022 में लागू** किया गया था और **इससे देश के ऊर्जा परिवर्तन में सुधार की उम्मीद है।**
- जापान ने **वर्ष 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य** रखा है और सरकार ने **मई 2022 में स्वच्छ ऊर्जा रणनीति पर एक अंतरिम रिपोर्ट** जारी की है।
  - भारत ने वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य भी निर्धारित किया है।
- भारतीय उपमहाद्वीप की **विशाल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** ग्रीन हाइड्रोजन **(GH2) उत्पादन** और **अर्थव्यवस्था** के क्षेत्र में वृद्धि कर

सकती है।

- **नेपाल एवं भूटान** में भी **अधिशेष** [जल विद्युत क्षमता] है और **भारत तथा बांग्लादेश** जैसे देश **ग्रीन हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइज़र** द्वारा इसका दोहन कर सकते हैं।

- **भारत-जापान पर्यावरण सप्ताह जैसे कार्यक्रम तकनीकी, संस्थागत और कार्मिक सहयोग** के माध्यम से प्रणाली में परिवर्तनीय **नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करने के लिये एक रोडमैप बनाने में मदद करेंगे।**

स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण:

- **परिचय:**
  - स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण **पारंपरिक,** [जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों] (जैसे कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस) ऊर्जा के स्वच्छ, अधिक टिकाऊ स्रोतों में बदलाव को संदर्भित करता है **जिससे पर्यावरण पर कम प्रभाव पड़ता है।**
  - यह परिवर्तन **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने**, [जलवायु परिवर्तन] **के प्रभावों** को कम करने और जीवाश्म ईंधन के उपयोग से जुड़े अन्य पर्यावरणीय एवं **सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं** को दूर करने की आवश्यकता से प्रेरित है

- **स्वच्छ ऊर्जा स्रोत:**
  - स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में **अक्षय ऊर्जा स्रोत जैसे- सौर, पवन, जल,** [भूतापीय] **और** [बायोमास ऊर्जा] के साथ-साथ बैटरी एवं हाइड्रोजन ईंधन सेल जैसी ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।

भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति:

//

- **रक्षा संबंध: भारत-जापान रक्षा एवं सुरक्षा साझेदारी** क्रमशः [धर्म गार्जियन](#) तथा [मालाबार](#) सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय अभ्यासों और पहली बार [मिलन अभ्यास](#) (MILAN Exercise) में भाग लेने वाले जापान के सहयोग से विकसित हुई है।
- **स्वास्थ्य-देखभाल: जापान के AHWIN** और **भारत के** [आयुष्मान भारत कार्यक्रम](#) के समान लक्ष्य और उद्देश्य हैं, इसलिये दोनों पक्ष उन परियोजनाओं की पहचान करने के लिये मिलकर काम कर रहे हैं जो **AHWIN** के समान **आयुष्मान भारत के सपने** को साकार करने में मदद करेंगे।
- **निवेश और ODA:** भारत पिछले कुछ दशकों से [जापान से आधिकारिक विकास सहायता (ODA)](#) ऋण का सबसे बड़ा प्राप्तकर्त्ता रहा है। [दिल्ली मेट्रो](#), ODA के उपयोग के माध्यम से जापान के सहयोग के सबसे सफल उदाहरणों में से एक है।
    - [भारत की वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)](#) परियोजना [जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी](#) द्वारा आर्थिक साझेदारी (STEP) के लिये विशेष शर्तों के तहत प्रदान किये गए सॉफ्ट लोन द्वारा वित्तपोषित है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. वर्तमान में G-8 के रूप में जाना जाने वाला विभिन्न देशों का एक समूह जिसकी पूर्व में G-7 के रूप में शुरूआत हुई। निम्नलिखित में से कौन उनमें से एक नहीं था? (2009)

(a) कनाडा
(b) इटली
(c) जापान
(d) रूस

उत्तर: (d)

[स्रोत : डाउन टू अर्थ](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/japan-asia-energy-transition-initiative